ज़ुल्मो सितम से जो हार जाता है | by hivangi Pathak

निया के ज़ुल्मो सितम से जो हार जाता है
उसको दुनिया में मेरा श्याम ही अपनाता है

रिश्ते नाते जहाँ के सारे निभाए हमने
ना सुकून पाया दिए ज़ख्म नए से ग़म ने
कश्ती जीवन की मेरे बाबा लगी है थमने
अब तो खाटू का ही एक रस्ता याद आता है
उसको दुनिया में मेरा श्याम ही अपनाता है
दुनिया के ज़ुल्मो सितम से जो हार जाता है

एक ही तो ठिकाना है ग़म के मारों का
है मेरा श्याम ही बस साथी बेसहारों का
है येही माली हर चमन का हर नज़रों का
देख कर आह के कांटे जो घबराता है
उसको दुनिया में मेरा श्याम ही अपनाता है
दुनिया के ज़ुल्मो सितम से जो हार जाता है

श्याम के नाम का तो धीरज भी दीवाना है
है लिया बाँध अगर रिश्ता अब निभाना है
मिले थे धोखे हमें जिनसे उन्हें दिखाना है
हो वो छोटा या बड़ा सबको गले लगाता है
उसको दुनिया में मेरा श्याम ही अपनाता है
दुनिया के ज़ुल्मो सितम से जो हार जाता है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a5%81%e0%a4%b2%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a5%8b-%e0%a4%b8%e0%a4%bf%e0%a4%a4%e0%a4%ae-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%9c%e0%a5%8b-%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a4/